4 अनुस्वार, अनुनासिक और विसर्ग

अनुस्वार का प्रयोग (अं = ं)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

श + ं + ख = शंख

ह + ं + स = हंस

ब + ं + द + र = बंदर

पढ़िए :

अंक	ठंड	गंगा	मंगल	नारंगी	चुकंदर
डंक	फंड	दंगा	जंगल	सारंगी	समंदर
संग	कंस	पंजा	अंचल	फिरंगी	बदरंग

पढ़िए और सुनाइए :

मंगलवार का दिन था। अंश, वंश और चंपा मंदिर गए। मंदिर में एक पंडित जी थे। वह शंख बजा रहे थे। अंश, वंश और चंपा ने घंटा बजाया।

मंदिर के चारों ओर हरियाली थी। चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे। पास ही एक छोटा सरोवर था। उसमें बतखें और हंस तैर रहे थे।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को विभिन्न वर्णों पर अनुस्वार (ं) लगाकर उच्चारण कराएँ।
- बच्चों को यह भी बताएँ कि आजकल पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) के स्थान पर अनुस्वार का ही प्रयोग होता है।

अनुनासिक का प्रयोग (अँ = ◌ँ)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

पू + ◌ँ + छ = पूँछ

चा + ◌ँ + द = चाँद

ल + ह + ◌ँ + गा = लहँगा

पढ़िए :

मूँछ	आँच	गाँव	बायाँ	यहाँ	महँगा
पूँछ	जाँच	छाँव	दायाँ	वहाँ	बहँगा
सूँड़	काँच	काँटा	ताँगा	जहाँ	लताएँ

पढ़िए और सुनाइए :

एक गाँव में एक कुआँ था। कुएँ में एक साँप रहता था। वह कुएँ की मछलियाँ पकड़ कर खाता था।

एक बार गाँव में सूखा पड़ गया। कुएँ में एक बूँद भी पानी न रहा। साँप कुएँ से बाहर आया। कुएँ के पास पाँच झोंपड़ियाँ थीं। एक दिन उन झोंपड़ियों में आग लग गई। साँप जान बचाकर जंगल में चला गया।

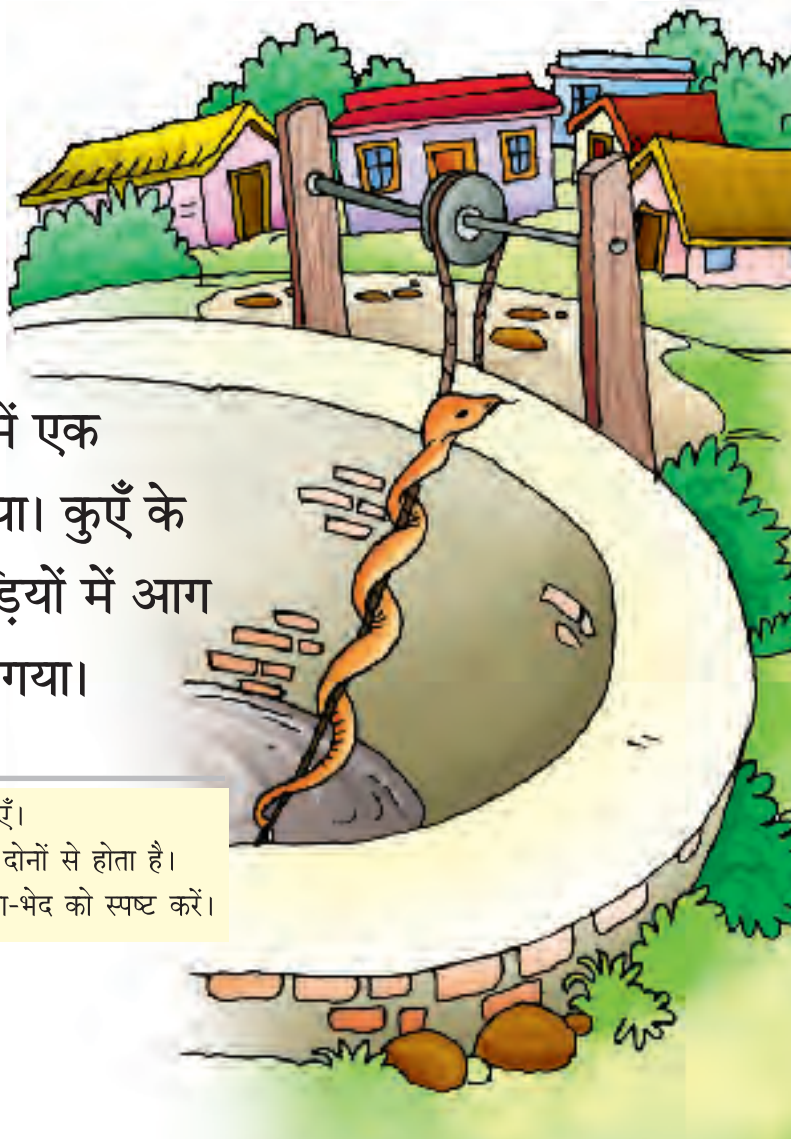

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को विभिन्न व्यंजन वर्णों पर चंद्रबिंदु (◌ँ) लगाकर उच्चारण कराएँ।
- बच्चों को यह भी समझाएँ कि चंद्रबिंदु का उच्चारण नासिका तथा मुख दोनों से होता है।
- बच्चों को अनुस्वार/बिंदु (◌ं) और चंद्रबिंदु/अनुनासिक (◌ँ) के उच्चारण-भेद को स्पष्ट करें।

विसर्ग का प्रयोग (विसर्ग = :)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

छ + : = छः

प्रा + त + : = प्रातः

दु + : + खी = दुःखी

पढ़िए :

अतः	अंततः	प्रायः	निःसहाय	संभवतः
अंतः	मूलतः	प्रातः	दुःसहाय	अंतःकरण
पुनः	फलतः	तपः	निःसंकोच	कोटिशः

पढ़िए और सुनाइए :

प्रातः छः बजे उठो। फिर भगवान को नमः करो। प्रातःकाल सैर पर जाओ। फिर ठंडे पानी से नहाकर ॐ नमः शिवाय का जप करो। कभी किसी को दुःख मत पहुँचाओ। दीन-दुःखियों की सहायता करो। निःसहाय की सहायता करो। निःसंकोच उनकी सेवा करो। पुनः पुनः भलाई के काम करो। शनैः शनैः आपको उसका फल मिलेगा।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को 'अः' (:) का सही उच्चारण करना सिखाएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि विसर्ग का उच्चारण 'ह्' के समान होता है।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. चित्र देखकर पूरा नाम लिखिए :

_____ _____ _____ _____

2. सही जगह पर अं (ं), अँ (ँ) और विसर्ग (:) लगाकर लिखिए :

कस _____ पजा _____ तागा _____

सूड़ _____ तप _____ कोटिश _____

3. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए :

(क) मंदिर में एक ——— जी थे। (ख) वह ——— बजा रहे थे।

(ग) सरोवर में ——— तैर रहा था। (घ) कुएँ में ——— रहता था।

(ङ) साँप ——— से बाहर आया। (च) सुबह ——— बजे उठो।

4. एक शब्द में उत्तर लिखिए :

(क) अंश, वंश और चंपा कहाँ गए? _____

(ख) चारों ओर कैसे फूल खिले थे? _____

(ग) कुएँ में कौन रहता था? _____

(घ) कुएँ के पास कितनी झोंपड़ियाँ थीं? _____

(ङ) किसकी सहायता करो? _____

(च) सैर पर किस समय जाना चाहिए? _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- शुद्ध उच्चारण कीजिए :

डंक	पंजा	मंगल	फिरंगी	बदरंग	सूँड़	जाँच	छाँव
दायाँ	कहाँ	तालियाँ	शनैः	फलतः	निःसंतान	निःसहाय	

क्रियात्मक कार्य

1. चाँद के चित्र बनाइए :

आधा चाँद	पूरा चाँद

2. एक कागज़ को आगे-पीछे मोड़कर हाथ से चलने वाला कागज़ का पंखा तैयार कीजिए।

3. गुनगुनाएँ :

उठो लाल अब आँखें खोलो,
पानी लाई हूँ, मुँह धो लो।
चिड़ियाँ चहक उठीं पेड़ों पर,
बहने लगी हवा अति सुंदर।